Structure & Syllabi

Of

Bachelor of Arts, B.A. (Hons.)in

Vedic Studies

4 Year (8 Semesters) Course

Department of Vedic Studies

Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya Sagar (M.P.)

Bachelor of Arts, B. A. (Hons.) in Vedic Studies

Department of Vedic Studies proposes a 4-year graduate (Hons.) course in Vedic Studies under the New Education Policy (NEP-2020).

1. Course Objectives:-

1. To explore the hidden knowledge in Vedas and Indian ancient knowledge& culture.
2. To perform a critical and comparative analysis of ancient culture and heritage.
3. To prepare students with in-depth knowledge of old Indian cultural traditions.
4. To develop manpower who can protect, and preserve and carry forward the rich Indian ancient knowledge, life style, and ancient culture.

2. Learning outcomes:-

After completing this course students shall be capable in the following:

1. Aware about ancient Indian culture system.
2. Aware about yoga, astrology, Indian philosophy in reference to Vedas and culture.
3. Know about spirituality and Indian culture.
4. Acquaint with Vedic mathematics and its applications.

3. Course Duration

It will be of 4 years (8-semester program) to be functional as per CBCS and NEP-2020 regulations as laid down in the university ordinance.

4. Intake Capacity

There shall be a maximum of 40 students' intake for an academic session.

5. Reservation Policy

The maximum intake shall be divided into UR, EWS, OBC, SC, ST and PWD categories as per university/ government of India norms applicable to other graduate academic programs.

6. Eligibility

Passed 10+2 degree with any discipline.

7. Admission Procedure

1. There shall be an advertisement of this course in newspapers and the same shall be displayed on university website.
2. The other criterion of admission like written tests and counselling shall be same as adopted by the university for other UG courses.

DShukla

Shivani 6/7/23

8. Award of degree

On successful completion	Semester	Name
One year	Two	Certificate
Two year	Four	Diploma
Three year	Six	Bachelor of Arts
Four year	Eight	Bachelor of Arts (Hons.)

The course will run under the university ordinance applicable for other bachelor degrees in Arts and Humanities modified under NEP-2020.

Fee Structure (For first semester)

S. No.	Heads	Fee
1.	Tuition fee	900
2.	Library fee	250
3.	Sports fee	100
4.	Student Activity fee	100
5.	Medical fee	125
6.	Insurance premium	30
7.	Registration fee	150
8.	IT fee	550
	Total	2205
9.	Caution money	250
	Total fee for first semester	2455
	Total fee for second semester onwards	2205

No practical fee shall be chargeable. Semester fee should be paid at the beginning of the semester.

Course Scheme

6/7/23

6/7/23

Semester I

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-DSM-111	वैदिक गणित I	4	2	-	6	20	20	60	100
DVS-DSM-112	आयुर्वेद	4	2	-	6	20	20	60	100
DVS-MDM-113	वैदिक विज्ञान	4	2	-	6	20	20	60	100
DVS-AEC-114	भारतीय ज्योर्ति विज्ञान के परिपेक्ष्य में काल निर्धारण	2	0	-	2	20	20	60	100

ME – Mid Exam, IA- Internal Assessment, ESE- End Sem. Exam

Semester II

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-DSM-211	वैदिक गणित II	4	2	-	6	20	20	60	100
DVS-DSM-212	गीता में आत्म प्रबंधन एवं अवसाद निवारण ~~भारतीय शिक्षण पद्धति~~	4	2	-	6	20	20	60	100
DVS-MDM-213	भारतीय शिक्षण पद्धति	4	2	-	6	20	20	60	100
DVS-SEC-214	योगशास्त्र	2	0	-	2	20	20	60	100

ME – Mid Exam, IA- Internal Assessment, ESE- End Sem. Exam

6/7/23

6/7/23

Semester I

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-DSM-111	वैदिक गणित I	4	2	-	6	20	20	60	100

उद्देश्य–**(Objectives)**

(I) भारतीय ज्ञान परम्परा के विषय का ज्ञान
(II) वैदिक ज्ञान परम्परा के विषय का ज्ञान
(III) वैदिक गणित सम्बन्धी सामान्य परिचय
(IV) गणित के पठन–पाठन की भारतीय विधि
(V) भारतीय गणितज्ञों के विषय में जानकारी

इकाईशः शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1) – इकाई–1 के अध्ययन से छात्रों को वैदिक गणित के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त होगी।

(UO-2) – इकाई–2के अध्ययन से वैदिक गणितीय सूत्रों एवं उपसूत्रों का ज्ञान प्राप्त होगा।

(UO-3) – इकाई–3 के अध्ययन से छात्रों को गणितीय संक्रियाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।

(UO-4) –इकाई–4 के अध्ययन से वैदिक गणित की गुणन विधियोंका ज्ञान प्राप्त होगा।

(UO-5) – इकाई–5 के अध्ययन से भारतीय गणितज्ञों की मेधा एवं उनके गणितीय योगदानों का ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit – I – वैदिक गणित का सामान्य परिचयएवंमहत्व
Unit – II – वैदिक गणित के सूत्रों का परिचय एवं उदाहरण
Unit – III –योग, घटाना की संक्रियायें, बीजांक
Unit – IV –गुणन विधियां : एकाधिकेन पूर्वेण विधि, एकन्यूनेन पूर्वेण विधि निखिलं नवतश्चरामं दशत संयुक्त संचालन
Unit –V –भारतीय गणितज्ञों का सामान्य योगदान

संदर्भ सूची :

(1) भारतीय कृष्ण तीर्थ : वैदिक गणित (मोतीलाल बनारसीदास नई दिल्ली, 2001)

(2) बी.जी. हीरोर : भारत का इतिहास गणित और गणितज्ञ

(3) डॉ. व्यवहारे– चौथाईवाले – बोरगांवकर : वैदिक गणित का परिचय

DShukla

Shivamishra 6/7/23

6/7/23

Semester I

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-MDM-113	वैदिक विज्ञान	4	2	-	6	20	20	60	100

उद्देश्य-**(Objectives)**

(I) –भारतीय शास्त्रों में प्राप्त वैज्ञानिक विषयों का ज्ञान।

(II) – परमाणु सम्बन्धी अवधारणाओं का ज्ञान

(III) –वेदों में रसायन एवं वेदों में भौतिकी का अध्ययन।

(IV) – वेदों में अर्थशास्त्र एवं वेदों में राजनीति की जानकारी।

इकाईश: शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1) – इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक चिंतन के विषय में जानेंगे।

(UO-2) –सृष्टि की उत्पत्ति विषयक ऊर्जा एवं परमाणु संबंधी अवधारणाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

(UO-3) वेदो में रसायन एवं वेदों में भौतिकी की प्राचीनतम एवं आधुनिक दोनों प्रकार की अवधारणा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(UO-4) –वेदों में अर्थशास्त्र एवं वेदों में राजनीति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit – I वैदिक विज्ञान का सामान्य परिचय
Unit – II – परमाणु सम्बन्धी अवधारणायें, कपिल मुनि के 25 तत्व सांख्य दर्शन
Unit – III –वेदो में रसायन, वेदों में भौतिकी प्राचीन एवं आधुनिक अवधारणाएं
Unit – IV –वेदों में अर्थशास्त्र वेदों में राजनीति

संदर्भ सूची :

(1)पाण्डेय ओम प्रकाश, वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप ' . विश्व प्रकाशन, नई दिल्ली।

(2)आर्य डा. रवि प्रकाश, वैदिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का स्वरूप

(3)आर्य डॉ. रवि प्रकाश, वैदिक विज्ञान और आधुनिक विज्ञान, दृष्टिकोण का अंतर

Dshukla

Shivam ... 6/7/23

6/7/23

Semester I

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-AEC-114	भारतीय ज्योति विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में काल निर्धारण	2	0	-	2	20	20	60	100

उद्देश्य–**(Objectives)**

(I) इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ज्योतिषीय सिद्धांतों की व्यापक समझ विकसित करना है और चार्ट का विश्लेषण करने के लिए इन सिद्धांतों का उपयोग कैसे किया जाता है।

(II) यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न दृश्य प्रणालियों और घटनाओं के समय में उनके उपयोग की सराहना करने में मदद करेगा।

इकाईशः शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1)	1. राशि, ग्रह, उपग्रह, विशेष लग्न, विभाजनीय चार्ट और अरूधा पदों सहित चार्ट विश्लेषण की मूल अवधारणाओं को समझना। 2. ज्योतिष में घरों, कारकों, संकेत और अर्गलास, और योगों के बारे में ज्ञान प्राप्त करना। 3. अष्टवर्ग के बारे में सीखना और चार्ट विश्लेषण में इसका महत्व समझना।
(UO-2)	1. जन्म कुंडली का व्याख्यान करने और दीर्घायु से संबंधित विषयों का विश्लेषण करने कौशल विकसित करना। 2. चार्ट विश्लेषण में ग्रहों और राशियों की शक्ति की अवधारणा को समझना। 3. विभिन्न कारकों के प्रभाव का विश्लेषण करके जन्म कुंडली पर अलग–अलग कारकों के प्रभाव को जानना।
(UO-3)	1. विम्सोत्तरी दशा, अशोत्तरी दशा, नारायण दशा, और लग्न केन्द्रादि राशि दशा जैसे विभिन्न दशा प्रणालियों को अध्ययन करना और समझना। 2. चार्ट विश्लेषण में इन दशा प्रणालियों के प्रभाव और महत्व का विश्लेषण करना। 3. ग्रहों की अवधि और चार्ट विश्लेषण के बीच संबंध का अन्वेषण करना।
(UO-4)	1. सुदशा, द्रिग्दशा और निर्याना शूल दशा जैसी अतिरिक्त दशा प्रणालियों का अन्वेषण करना। 2. ज्योतिष में इन दशा प्रणालियों के सिद्धांत और अनुप्रयोग को समझना। 3. इन दशा प्रणालियों के जन्म कुंडली के व्याख्यान पर इनके प्रभाव का विश्लेषण करना।
(UO-5)	1. ज्योतिष में शूल दशा के महत्व और व्याख्यान को समझना। 2. चार्ट विश्लेषणमें कालचक्र दशा की अवधारणा और अनुप्रयोग का अन्वेषणा करना। 3. ज्योतिष में शूल दशा और कालचक्र दशा के विशेष प्रभाव और प्रभावों के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।

Unit – I चार्ट विश्लेषणः मूल अवधारणाएं, राशियां, ग्रह, उपग्रह, विशेष लग्न, मंडल चार्ट, घर, कारक, अरूढ़ पद, पहलू और अर्गला, योग और अष्टवर्ग।
Unit – II – चार्ट विश्लेषणः चार्ट की व्याख्या, दीर्घायु, ग्रहों की ताकत और राशियों से संबंधित विषय।
Unit – III – दशा विश्लेषणः विम्सोत्तरी दशा, अष्टोत्तरी दशा, नारायण दशा और लग्न केन्द्रादि रासी दशा।
Unit – IV – दशा विश्लेषणः सुदशा, दृगदशा, निर्याण शूल दशा।
Unit – V – दशा विश्लेषणः शूल दशा और कालचक्र दशा।

संदर्भ सूची :–

(1) पी.वी. आर नरसिम्हा रावः वैदिक ज्योतिष एक एकीकृत दृष्टिकोण सागर प्रकाशन।

(2) विपिन बिहारी : वैदिक ज्योतिष के मूल सिद्धांत, वी.डी. आई.सी ज्योतिषी एस हैंडबुक। लोटस प्रकाशन

DShukla

Shivani Khare 6/7/23

6/7/23

Semester II

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-DSM-211	वैदिक गणित II	4	2	-	6	20	20	60	100

उद्देश्य–(Objectives)

(I) वैदिक गणित में भाग विधियों का अध्ययन।

(II) वैदिक गणित में महत्तम एवं लघुत्तम समापवर्तक विधियों की जानकारी।

(III)मेरू प्रस्तार, वर्ग, वर्गमूल, घनमूल का अध्ययन करना।

(IV) वैदिक गणित में विभाज्यता का अध्ययन।

(V) आवर्ती दशमलव का सामान्य परिचय।

इकाईशः शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1) – वैदिक गणित की भाग विधियों का अध्ययन कर अपने ज्ञान पद्धति को तीव्र बना सकेंगे।

(UO-2) –इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्र महत्तम और लघुत्तम समाप्वर्तक की विधियों को जानेंगे।

(UO-3) – मेरू प्रस्तार, वर्ग, घन, वर्गमूल, घन मूल विधियां संबंधी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

(UO-4) – वैदिक गणित में विभाज्यता के अध्ययन को जानेंगे।

(UO-5) – वैदिक गणित विधि से आवर्ती दशमलव का अध्ययन।

Unit – Iवैदिक गणित में भाग विधियॉ
Unit – II –महत्तम एवं लघुत्तम समापवर्तक
Unit – III मेरू प्रस्तार, वर्ग, घन, वर्गमूल, घनमूल
Unit – IV —भाजकः एकाधिकेन पूर्वण विधि। एकन्यूनेन पूर्वेण विधि (वेष्टनम)
Unit – V –आवर्ती दशमलवः सामान्य परिचय–1,3,7,9 पर समाप्त होने वाला भाजक

संदर्भ सूची :

(1) भारतीय कृष्ण तीर्थ : वैदिक गणित (मोतीलाल बनारसीदास नई दिल्ली, 2001)

(2) बी.जी. हीरोर : भारत का इतिहास गणित और गणितज्ञ

(3) डॉ. व्यवहारे– चौथाईवाले – बोरगांवकर : वैदिक गणित का परिचय

DShukla

Shivamkhare 6/7/23

1/7/23

Semester II

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-DSM-212	गीता में आत्म प्रबंधन एवं अवसाद निवारण	4	2	-	6	20	20	60	100

उद्देश्य–**(Objectives)**

(I) गीता अध्याय 3–42 एवं 15–7 का विशेष अध्ययन करना।

(II) गीता अध्याय 2–3 एवं 4 से मन का अध्ययन करना।

(III) त्रिकोण सिद्धांत की जानकारी।

(IV)अंतर्द्वंद की प्रकृति का अध्ययन एवं निवारण।

(V) गीता द्वारा आदर्श व्यक्तित्व के विकास की अवधारणा।

इकाईशः शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1) – गीता अध्ययन से इंद्रिय, मन, बुद्धि, आत्म तत्व की कमिक श्रेष्ठता का ज्ञान प्राप्त करना।

(UO-2) – मन विषयक संबंधी अध्ययन करना।

(UO-3) – त्रिगुण सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त करना।

(UO-4) – अन्तर्द्वन्द्व प्रकृति एवं उसके निवारण का अध्ययन करना।

(UO-5) – गीता के अध्ययन से आदर्शजीवन व व्यक्तित्व को जानेंगे।

Unit – I इन्द्रिय, मन, बुद्धि, आत्मतत्व का स्वरूप विवेचन– अध्याय–3–42 अध्याय – 15–7
Unit – II –मन विषयक विविध अवधारणाएँ, मन के नियंत्रण उपाय– 2–3 अध्याय –4–
Unit – III- त्रिगुण का सिद्धान्त –XII-5-6, XIV-5-8, 11-1, XIV-17
Unit – IV — अन्तर्द्वन्द्व की प्रकृति और उसका निवारण –I-1, IV, 16, I-45, II-6
Unit – V – गीता द्वारा आदर्श व्यक्तित्व निर्माण।

संदर्भ सूची :–

(1) कुँमार, डॉविनोद, गीता में आत्म प्रबंधन।

DShukla

6/7/23

6/7/23

Semester II

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-MDM-213	भारतीय शिक्षण पद्धति	4	2	-	6	20	20	60	100

उद्देश्य–(Objectives)

(I) उद्देश्य शिक्षा के उद्देश्य से चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विका का अध्ययन करना।

(II) नए आचारों की शिक्षा में अनुप्रयोगों की जानकारी।

(III) चरित्र निर्माण की प्रक्रिया में आचार व्यवहार की अवधारणा।

(IV) पंचकोष से व्यक्तित्व के समग्र विकास विधि का अध्ययन।

(V) वर्तमान भारतीय शिक्षण पद्धति पिरामिड संरचना का विस्तृत जानकारी।

इकाईशः शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1) –शिक्षा से चरित्र निर्माण एवं समग्र व्यक्तित्व विकास करना।

(UO-2) –शिक्षा नवाचारों की जानकारी प्राप्त करना।

(UO-3) – चरित्र निर्माण हेतु आचार व्यवहार सिखाना।

(UO-4) – पंचकोष से व्यक्तित्व के समग्र विकास का ज्ञान प्राप्त करना।

(UO-5) –भारतीय शिक्षण पद्धति की वर्तमान पिरामिड संरचना से व्यक्तित्व विकास के चरणों बारे में जानेंगे।

Unit – I शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण एंव समग्र व्यक्तित्व विकास
Unit – II –शिक्षा में नवाचार
Unit – III – चरित्र निर्माण हेतु आचार–व्यवहार
Unit – IV — व्यक्तित्व के समग्र विकास में पन्चकोष की अवधारणा
Unit – V – भारतीय शिक्षण पद्धति की वर्तमान पिरामिड संरचना व्यक्तित्व विकास की अवधारणा

संदर्भ सूची :–

(1) गुरुमां आनंदमूर्ति, पंचकोश विज्ञान।

(2) योगेंद्रजीतभाई, शिक्षामेंनवाचार।

6/7/23

6/7/23

Semester II

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-SEC-214	योगशास्त्र	2	0	-	2	20	20	60	100

उद्देश्य–**(Objectives)**

(I)पातंजल योगसूत्र (1–10) सूत्र का अध्ययन करना।

(II) पंतिजलि योगसूत्र (11–20) सूत्र का अध्ययन करना।

(III)अष्टांग योग की चर्चा

(IV) गीता में योग की भूमिका की जानकारी प्राप्त करना।

(V) महर्षि पतंजलि के योगदान की जानकारी।

इकाईशः शिक्षण अधिगम –**(Unit wise learning outcomes)**

(UO-1) – पतंजल योग सूत्र (1–10) सूत्रों का व्यावहारिक ज्ञान के रूप में प्रयोग करना।

(UO–2) -पातंजल योग सूत्र (11–20) का ज्ञान अष्टांग योग की चर्चा करना।

(UO–3) - गीता में योग की महत्ता को समझना

(UO–4) - महर्षि पतंजलि के जीवन का ज्ञान प्राप्त करना।

(UO–5) - महर्षि पतंजलि के योगदान की जानकारी प्राप्त करना।

Unit – I– पातन्जलि योगसूत्र, (1–10) सूत्र समाधिपाद
Unit – II –पातन्जलि योगसूत्र, (11–20) सूत्र समाधिपाद
Unit – III – अष्टान्ग योग
Unit – IV — गीता में योग विषय अवधारणा
Unit – V – योग विषय में महर्षि पतंजलि

संदर्भ सूची :–

(1) दशोरा नंदलाल, पातंजल, योगसूत्र योगदर्शन।

6/7/23

6/7/23

Semester II

Course Code	Course Title	L	T	P	C	Sessional		ESE	Total
						ME	IA		
DVS-MDM-213	भारतीय प्राचीन शिक्षण पद्धति	4	2	-	2	20	20	60	100

उद्देश्य–(Objectives)

(I)उद्देश्य शिक्षा के उद्देश्य से चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास का अध्ययन करना।

(II) नए आचारों की शिक्षा में अनुप्रयोगों की जानकारी।

(III)चरित्र निर्माण की प्रक्रिया में आचार व्यवहार की अवधारणा।

(IV) पंचकोष से व्यक्तित्व के समग्र विकास विधि का अध्ययन।

(V) वर्तमान भारतीय शिक्षण पद्धति पिरामिड संरचना का विस्तृत जानकारी।

इकाईश: शिक्षण अधिगम –(Unit wise learning outcomes)

(UO-1) – शिक्षा से चरित्र निर्माण एवं समग्र व्यक्तित्व विकास करना।

(UO-2) -शिक्षा नवाचारों की जानकारी प्राप्त करना।

(UO-3) - चरित्र निर्माण हेतु आचार व्यवहार सिखाना।

(UO-4) - पंचकोष से व्यक्तित्व के समग्र विकास का ज्ञान प्राप्त करना।

(UO-5) - भारतीय शिक्षण पद्धति की वर्तमान पिरामिड संरचना से व्यक्तित्व विकास के चरणों के बारे में जानेंगे।

Unit – I– शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण एवं समग्र व्यक्तित्व विकास
Unit – II –शिक्षा में नवाचार
Unit – III –चरित्र निर्माण हेतु आचार–व्यवहार
Unit – IV —व्यक्तित्व के समग्र विकास में पन्चकोष की अवधारणा
Unit – V –भारतीय शिक्षण पद्धति की वर्तमान पिरामिड संरचना तथा व्यक्तित्व विकास की अवधारणा

संदर्भ सूची :–

(1) अलतेकर प्रोफेसर अनंत सदाशिव, प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धति

6/7/23

6/7/23

Department of Vedic Studies
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय, A CENTRAL UNIVERSITY)

No/Vedic Studies/2022-23/

Dated 06.07.2023

Minutes of Meeting of Board of Studies (BOS) 06/07/2023

Meeting of Board of Studies of the Department of Vedic Studies was held on 06/07/2023 at 03:00 pm in the online mode via Google meet link (https://meet.google.com/uyy-oniy-bha).

Following members were present

1. **Prof. (Dr.) Diwakar Shukla,** HOD, Department of Mathematics & Statistics, Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar - Chairman (BOS)
2. **Prof. (Dr.) Mahavir Agrawal** Ex VC, Gurukul Kangri University, Haridwar, UP - External Member
3. **Dr. Madan Lal,** MJP Rohilkhand University Barely, UP - External Member
4. **Prof. (Dr.) Chanda Bain,** Department of Hindi, Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar - Member
5. **Prof. (Dr.) Ranveer Kumar,** Department of Physics, Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar - Member
6. **Ms. Shivani Khare,** Assistant Professor, Department of Vedic Studies, Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar - Member

Agenda: To discuss structure and syllabi of the proposed academic programmes likely to start in current academic session 2023-24.

At the outset, Chairman welcomed members and placed the agenda. Chairman informed that UGC has sanctioned a new department to the University named as "Department of Vedic Studies" and University has appointed two faculties also as assistant professor.

Department of Vedic Studies has proposed there programmes namely

(1) Four years program in BA (Hons.) in Vedic Studies under NEP-2020 with some elective courses.
(2) One year Diploma course in Vedic Mathematics.
(3) Ph.D. Program in Vedic Studies.

Chairman has presented in online mode the structure, content of all the proposed programs and courses. The matter was discussed in length.

DShukla 6/7/23 Shivani Khare 6/7/23

DShukla 6/7/23 Shivani Khare 6/7/23

6/7/23

06/07/23

6/7/23

6/7/23

Resolution :

The Board of Studies has unanimously resolved to recommend all the proposed programs and courses with minor suggestions & corrections.

Meeting concluded with vote of thanks.

(Prof. (Dr.) Diwakar Shukla)

(Prof. (Dr.) Mahavir Agrawal)

(Dr. Madan Lal)

(Prof (Dr.) Chanda Bain)

(Prof.(Dr.) Ranveer Kumar)

(Ms. Shivani Khare)

Letter of Consent

A meeting of Board of Studies of the Department of Vedic Studies was held on [illegible] at 03:00 pm in the online mode through google meet link: http[illegible] meet.google.com/[illegible] I have joined the meeting online.

I give my consent for the recommendation of programs and courses proposed during the BOS meeting.

(Prof. (Dr.) Mahavir Agrawal)
Ex VC, Gurukul Kangri
University, Haridwar, UP

Letter of Consent

A meeting of Board of Studies of the Department of Vedic Studies was held on 06/07/2023 at 03:00 pm in the online mode through google meet link: https://meet.google.com/nyy-oaiy-bha. I have joined the meeting online.

I give my consent for the recommendation of programs and courses proposed during the BOS meeting

(Dr. Madan Lal)
MJP Rohilkhand
University, Barely, UP